This question paper contains 3 printed pages]

Code No. : 32 *Roll No. ....*

0(CCEM)9

SANSKRIT

Paper : I

Time Allowed : 3 hours] *[Maximum Marks : 300*

Note : *(i)* *Answers must be written in* **Hindi/Sanskrit** *(Devanāgarī Script).*

(ii) *Part/Parts of the same question must be answered together and should not be interposed between answers to other questions.*

(iii) *The marks allotted to each question are indicated at the end of the question.*

(iv) ***The answer to each question or part thereof should begin on a fresh page.***

(v) ***Your answers should be precise and coherent.***

(vi) *Candidates should attempt* ***all*** *questions.*

SECTION – I

1. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 37 ½ + 37 ½ = 75

(क) भाषा की उत्पत्ति के सम्बन्ध में प्रचलित सिद्धान्तों पर एक निबन्ध लिखिए।

P. T. O.

(ख) 'समास' किसे कहते हैं ? 'समास' के प्रत्येक 'भेद' (प्रकार) की परिभाषा देते हुए सोदाहरण समझाइए।

(ग) मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं पर एक निबन्ध लिखिए।

SECTION – II

2. किन्हीं ***पाँच*** पर विवरणात्मक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए – $15 \times 5 = 75$

(क) संस्कृत नाटक का उद्भव और विकास।

(ख) संस्कृत के प्रमुख गीतिकाव्य।

(ग) राजतरङ्गिणी।

(घ) क्षेमेन्द्र।

(ङ) ध्वनिसम्प्रदाय।

(च) नैषधीयचरितम्।

(छ) बाणभट्ट और उनकी रचनाएँ।

(ज) अलङ्कारसम्प्रदाय।

SECTION – III

3. केषाञ्चित् ***पञ्चानां*** विवरणं संस्कृतभाषया समासेन प्रस्तूयताम् – $15 \times 5 = 75$

(क) वर्णव्यवस्थाया उपयोगित्वम्।

(ख) यज्ञोपवीतविवाहसंस्कारयोः स्वरूपं महत्त्वञ्च।

(ग) संस्काराणाम् उपयोगिता भेदाश्च।

(घ) ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या।

(ङ) यतोऽभ्युदयनिःश्रेयससिद्धिः स धर्मः।

(च) सांख्ययोगदर्शनस्य महत्त्वम्।

(छ) अष्टाङ्गिकार्यमार्गः चत्वारि आर्यसत्यानि च।

(ज) कश्मीरशैवदर्शनम्।

SECTION – IV

4. अधस्तनेषु ***कमप्येकं*** विषयमवलम्ब्य संस्कृतभाषया संक्षिप्तं निबन्धमेकं विरच्यताम् – 75

(क) वेदानां महत्त्वम्।

(ख) अद्यतनं भारतम्।

(ग) गीता सुगीता कर्त्तव्या किमन्यैः शास्त्रविस्तरैः।

(घ) आचारहीनं न पुनन्ति वेदाः।